



# भारत का राजपत्र



मत्स्यसंवर्ग विभाग

## The Gazette of India

**शाधिकार से प्रकाशित**  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २३

मई विल्सन, रानियार, जनवरी 10, 1976/पौष 20, 1897

**NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 10, 1976/PAUSA 20, 1897**

इस भाग में सिव्व पछ संक्षय दी जाती है जिससे कि प्रथम सूत्रग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

प्रय 2—प्रय 3—प्रय-प्रय (i)

**PART II—Section 3—Sub-section (i)**

(रक्षा यंत्रालय को छोड़कर) सारे सुरक्षार के यंत्रालयों और (संपूर्ण राज्य के अन्तर्गत प्रशासनों को छोड़कर)

सेवीय सांस्कारिकों द्वारा चिकित्सा के अन्तर्गत इनके सौर प्राणी चिकित्सा में साधारण नियम

जिसमें साथारण प्रकार के घावेज़, उपतिष्ठम भावि सुस्थिरित हैं

**General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)**

गोपनीय अधिकारी

सर्वे विलापी । १७ अगस्त १९७५

संग्रहीत करने वाले नियम, 1975 में संबोधित करने के विषय तिन्मविशिष्ट नियम बनाते हैं, भवांतः—

- (१) यह नियमों का नाम एजेंट भाषण, नियेक (पर्वी जना सद्य नियाप) भर्ती (संशोधन) नियन् १९७६ द्वा।

(2) ये राजस्व में मुकाबल की सारीष को प्रबल होंगे।

२. योजना आयोग, विदेशक, (परिवेशना सम्बन्धित) भर्ती नियम, १९७५ को प्रत्येको के हातान पर विस्तृतिरूप रूपालाई, प्रयोगः—

प्रश्नावली

पट का नाम	पटों की संख्या	वर्गीकरण	बोतलमात्र	भयन पद अथवा घटना पद	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये प्राप्त सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये शैक्षक घोर अन्य प्रदृष्टार्थी
1	2	3	4	5	6	7
निवेदक (परियोजना मुख्य निष्पत्ति)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 1 (राजनीतिक)	1800-100-2000	साधु नहीं होता	45 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए विधिवत्तमाप्त)	प्रावश्यक : (1) किसी मान्यताप्राप्त विद्युतिलेय से भर्त्याचालन या गणित या सांख्यिकी या संक्रिया विज्ञान या विज्ञान में मास्टर की उपाधि या किसी इंजीनियरी विज्ञान में उपाधि वर्गमुख्य ।

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1975

सा० का० नि० 62.—भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त भवित्वों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार भारतीय तार नियम, 1851 में और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय तार (संशोधन) नियम, 1975 है।

(2) ये 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 में,—

(i) नियम 18 में, अण्ड (म) में "पुनः—मिलाना या उन्नति भेजना (नियम 103)"—

"TC—Collation or repetition (Rule 103)"  
का लोप किया जाएगा;

(ii) नियम 103 और 104 का लोप किया जाएगा।

[35-39/75-टी०-२]

New Delhi, the 24th December, 1975

G. S. R. 62.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Seventh Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the 1st day of March, 1976.

2. (i) In rule 18, in clause (d), the letters, words, signs and figures, "पुनः—मिलाना या पुनः भेजना"

"TC—Collation or repetition (Rule 103)" shall be omitted;

(ii) rules 103 and 104 shall be omitted.

[No. 35-39/75-T2]

सा० का० नि० 63.—केंद्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रवृत्त भवित्वों का प्रयोग करते हुए, भारतीय तार नियम, 1851 में और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय तार (छठी संशोधन) नियम, 1975 है।

(2) ये 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 में,—

(1) नियम 18 में, "(घ) सेवा निर्देश और प्रोफेशनल सेकेन्ट" प्रार्थक के अधीन, निम्नलिखित शब्दों, संकेतों, कोड्सों और प्रकरणों का लोप किया जाएगा :—

"तक—जब तक संघ न जाए तारखर में ही रखा जाए (नियम 88)" और

"तक—जब तक संघ न जाए भाक्षर में ही रखा जाए (नियम 88)"।

"TR—To be kept at telegraph office till called for (Rule 88)"

"GP—To be kept at post office till called for (Rule 88)"

(2) नियम 89, नियम 111, नियम 112 और नियम 113 का लोप किया जाएगा।

[सं० 35/40/75-टी०-२]

राष्ट्रपद प्रबन्धी, महावक भवनिवेशक (तार गतावाह)

G.S.R. 63.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Sixth Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the 1st day of March, 1976.

2. In the Indian Rules, 1951,—

(1) in rule 18, under the heading "(d) Service Indications and Conventional Signs, the words, signs, brackets and figures".

"TR—To be kept at Telegraph office till called for (Rule 88)" and

"GP—To be kept at Post Office till called for (Rule 88)"

shall be omitted.

(2) rule 88, rule 111, rule 112 and rule 113 shall be omitted.

[No. 35/40/75-T2]

R. P. BANERJEE, Assistant Director General (T)

सूचना और प्रसारण भवित्व

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1975

सा० का० नि० 64.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त धारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति आकाशवाही (अण्डी 1 पद) भर्ती नियमावली, 1963 में प्रतिरिक्ष संशोधन करते के लिये एकद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथात् :—

1. (1) इन नियमों को आकाशवाही (अण्डी-I पद) भर्ती (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 1975 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजस्व में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आकाशवाही (अण्डी-I पद) भर्ती नियमावली, 1963 की अनुसूची में, क्रम संख्या 16 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियां लुप्त की जायेंगी।

[का० सं० 1/3/75-टी० (८०)]

राधाकृष्ण बहूर, प्रबन्ध सचिव

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 19th December, 1975

G.S.R. 64.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class I Posts) Recruitment Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Class I Post) Recruitment (Fourth Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Class I Posts) Recruitment Rules, 1963, serial number 16 and the entries relating thereto, shall be omitted.

[F. No. 1/3/75-B(A)]  
R. K. KHATTAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1975

सा० का० नि० 65.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्त धारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति केंद्रीय सूचना सेवा

नियमावधी, 1959 में प्रतिरिक्त संशोधन करने के लिये उपचारा नियम-लिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय सूचना सेवा (कार्य संशोधन) नियमावधी, 1973 द्वारा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र के प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. केन्द्रीय सूचना सेवा नियमावधी, 1959 में, अनुसूची 1 में, कलम 1 के अन्तर्गत 'आकाशवाणी' की प्रविष्टि के सम्बन्ध कालम 2 के अन्तर्गत उपसम्पादक (मानिटरिंग) को प्रविष्टि सूचि की जायेगी।

[का० संख्या 1/20/68-सी० आई० एम० संशोधन संख्या-70]  
एस० रामास्वामी, अमर सचिव

New Delhi, the 22nd December, 1975

**G.S.R. 65.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Information Service Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Information Services (Fourth Amendment) Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Information Service Rules, 1959, in Schedule I, against the entry "All India Radio" in column 1, the entry "Sub-Editor (Monitoring)" in column 2 shall be omitted.

[F. No. 1/20/68-CIS Amendment No. 70]

S. RAMASWAMY, Under Secy.

### अम संबालन

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1975

सा० का० नं० ६८.—कर्मचारी भविष्य निधि भौत तुदन वेतन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा ५८ की उपचारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय बोर्ड, केन्द्रीय राजकार के अनुसूचित से, कर्मचारी भविष्य निधि, केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी (निवास स्थानों का आबंटन) नियम, 1972 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का ताम कर्मचारी भविष्य निधि, केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी (निवास स्थानों का आबंटन) (—संशोधन) नियम, 1972 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि, केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी (निवास स्थानों का आबंटन) नियम, 1972 में,—

(i) नियम 5 में की सारणी के स्थान पर निम्नलिखित सारणी रखी जायेगी, अर्थात्:—

### सारणी

निवास-स्थान की टाइप  
कर्मचारी की मासिक उपलब्धियाँ, जो उन आबंटन वर्ष, जिसमें आबंटन किया जाता है  
के प्रथम दिन की थीं

1	2
I	260 रुपये से कम।
II	500 रुपये से कम किन्तु 260 रुपये से कम नहीं।

	1	2
III	700 रुपये से कम किन्तु 500 रुपये से कम नहीं।	
IV	1000 रुपये से कम किन्तु 700 रुपये से कम नहीं।	
V	1650 रुपये से कम किन्तु 1000 रुपये से कम नहीं।	
VI	2500 रुपये से कम किन्तु 1650 रुपये से कम नहीं।	
VII	2500 रुपये और उससे अधिक।	

(i) नियम 7 में, उपनियम (2) के स्वेच्छा पर निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, अर्थात्:—

"(2) यदि केन्द्रीय आयुस्त द्वारा राय में, कर्मचारी के प्रधिभौत में के निवास स्थान पर निम्नलिखित प्रयोजनों में लिये लिया जाना अपेक्षित हो तो केन्द्रीय आयुस्त कर्मचारी के विवासन आबंटन को रद्द कर सकेगा और उसे उसी टाइप का आनुकूलिक निवास स्थान या कर्मचारी के अधिभौत में के निवासस्थान की टाइप से निवासी टाइप का आनुकूलिक निवासस्थान आबंटित कर सकेगा, अर्थात्:—

(क) प्रस्तुत;

(ख) पुनर्विकास;

(ग) भंजन।

(iii) नियम 20 में, उपनियम (5) में, अन्त में निम्नलिखित परन्तु प्रत्यक्षित किया जायेगा, अर्थात्:—  
परन्तु कोई भी ऐसी कार्रवाई, कर्मचारी को, प्रस्तापित कार्रवाई के विरुद्ध हेतु वर्णित करने के लिये विविध रूप में सूचना दिये जिना और सूचना में विविध प्रवृत्ति की भीतर दिये गये अव्याप्तेवत पर विचार किये जिना नहीं की जायेगी"।

(iv) नियम 20 के पश्चात्, निम्नलिखित नियम अन्तस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"20 क प्रपोसल—नियम 20 के अधीन केन्द्रीय भविष्य निधि आयुस्त द्वारा पारित किसी आवेदन द्वारा अधिकतम कोई भी कर्मचारी उन लारीख से जिसको उस आवेदन की प्रति, जिसके विश्लेषण की जाती है, उस पर लारीख की जाये, 45 दिन के भीतर, अध्यक्ष को प्रपोसल कर सकता"।

(v) नियम 23 में, "केन्द्रीय आयुस्त" शब्दों के स्थान पर, केन्द्रीय राजकार" शब्द रखे जायेंगे।

(vi) अनुसूची (क) में, "बेतन रेज", और "टाइप" शब्दों को प्रधीन प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात्:—

बेतन रेज	निवास-स्थान की टाइप
2500 रुपये और उससे अधिक	VII
1650—2499 रुपये	VI
1000—1649 रुपये	V
700—999 रुपये	IV
500—699 रुपये	III
200—499 रुपये	II
260 रुपये से कम	I "

[जै४-17011(7)/74-पी० ५५०-१]

एस० एस० सहस्रानामन, उप सचिव